This question paper contains 4+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक ....

7076

B.A. (Hons.)/Programme E

Discipline Centred Concurrent Course

SANSKRIT LITERATURE

Time : 2 *Hours* *Maximum Marks* : 50

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Note :— The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. A). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of SOL at the time of posting of awards for compilation of result.

Answer *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. निम्न में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए : 5

Translate any *one* of the following :

(i) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदु:खदा:।

आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत॥

(ii) कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम्।

अनार्यजुष्टमस्वर्ग्यमकीर्तिकरमर्जुन॥

(iii) हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा मोक्ष्यसे महीम्।

तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चय:॥

2. निम्न में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

Explain any *one* of the following with reference to the context :

(i) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

(*ii*) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।

तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि॥

(*iii*) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।

तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यानि संयाति नवानि देही॥

3. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार 'स्थितप्रज्ञ' के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 8

Explain the concept of 'स्थितप्रज्ञ' as developed in श्रीमद्भगवद्गीता.

4. निम्न में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए : 5

Translate any *one* of the following :

(*i*) तीर्थोदकानि समिधः कुसुमानि दर्भान्

स्वैरं वनादुपनयन्तु तपोधनानि।

धर्मप्रिया नृपसुता न हि धर्मपीडा-

मिच्छेत् तपस्विषु कुलव्रतमेतदस्याः।

(*ii*) ऋज्वायतां च विरलां नतोन्नतां च

सप्तर्षिवंशकुटिलां च निवर्तनेषु।

निर्मुच्यमानभुजगोदर निर्मलस्य,

सीमामिवाम्बरतलस्य विभज्यमानाम्॥

5. निम्न में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

Explain any *one* of the following with reference to the context :

(*i*) कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना।

चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः॥

(*ii*) दुःखं न्यासस्य रक्षणम्।

(*iii*) गुणानां वा विशालानां सत्काराणां च नित्यशः।

कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः॥

6. "स्वप्नवासवदत्तम्" के आधार पर वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए। 8

Explain the character of 'Vasavadatta' in "स्वप्नवासवदत्तम्".

अथवा

(Or)

"स्वप्नवासवदत्तम्" के पंचम अंक का महत्त्व लिखिये।

Write down the importance of fifth act of 'स्वप्नवासवदत्तम्'.

7. निम्न में से किन्हीं दो का सन्धिविच्छेद कीजिए : 5

Disjoin Sandhi in any *two* of the following :

क्रोधोऽभिजायते, सुखमर्थः, लोकस्तुल्यधर्मः, येऽप्यशक्ता, लाभालाभौ।

8. निम्न में से किन्हीं दो रेखांकित शब्दों में विभक्ति निर्देश कीजिए : 5

Describe the case ending in any *two* of the following :

(*i*) मा <u>फलेषु</u> कदाचन।

(*ii*) सः <u>शान्तिम</u>धिगच्छति।

(*iii*) न हन्यते <u>हन्यमाने</u> <u>शरीरे</u>।

(*iv*) सत्कारो हि नाम <u>सत्कारेण</u> प्रतीष्टः प्रीतिमुत्पादयति।

(*v*) कस्यार्थः <u>कलशेन</u> को मृग्यते वासो।